प्रेस नोट

'ब्रह्माकुमारीज ब्रह्मांड का ज्ञान सुनाती हैं - शिवराज पाटिल'

गुडगांव,12 अक्तूबर: ब्रह्माकुमारीज के द्वारा प्लैटिनम जुबली के उपलक्ष्य में ओम शांति रिट्रीट सैंटर, बिलासपुर में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुज़्य अतिथि शिवराज पाटिल जी, पंजाब एवं राजस्थान के महामहिम राज्यपाल ने कहा कि हमें अपने विचारों की तरफ ध्यान देना जरूरी है। उन्होने कहा कि जैसा सोचेंगे वैसा बनेंगे जो विश्व तक सोचेगा, उसका मन विश्व तक बनेगा, जो अपने परिवार के लिए सोचेगा, उसका मन परिवार तक सीमित रहेगा और जो स्वार्थ के प्रति ही सोचेगा, वह तुच्छ बन जायेगा। ब्रह्माकुमारीज ब्रह्मांड का ज्ञान सुनाती हैं, जब हमारे विचार ब्रह्मांड व विश्व से संबंधित होंगे तो आपस में भाई चारा बनाना मुश्किल नहीं होगा। हम अपने विचारों की शक्ति का प्रयोग करें ।

उन्होने कहा कि आज मनुष्य विज्ञान की भाषा को तो समझ गया है परंतु अब उसे अध्यात्म की भाषा को समझना होगा। अध्यात्म, प्रेम और एकता का अनुभव करने के लिए मेडिटेशन करना जरूरी है। विदेश से आए हुए भाई बहनों ने जो हिन्दी भाषा में सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किये उनकी भूरी भूरी प्रशंसा की। उन्होने कहा कि विदेशी भाई बहनों ने यह सिद्ध कर दिया है कि परमात्मा एक है और विश्व एक परिवार है। मैं ब्रह्माकुमारीज के द्वारा किये जा रहे कार्य की सफलता की कामना करता हूं।

राजयोगिनी दादी हृदयमोहिनी जी (अतिरिक्त संयुक्त प्रशासिका) ने आर्शीवचन देते हुए कहा कि स्वंय को भूलने के कारण ही आज विश्व में दुज़ व अशांति बढती जा रही है। इस जीवन को श्रेष्ठ बनाने के लिए यह जानना आवश्यक है कि मैं कौन हूं। परमात्मा हमारे लिए स्वर्ग के सुखों की दुनिया लाए हैं और स्वर्ग बनाने की शुरूआत हमें स्वंय से करनी होगी। हम सभी को खुशी बांटे, यह बांटने से कम नहीं होती बल्कि खुशी बांटने से और भी बढती है।

राजयोगिनी मोहिनी दीदी(न्यूयार्क) ने कहा कि जाति-पाति, रंग-भेद को न देखकर हम यह देखें कि वह शांतस्वरूप आत्मा है। इसे विश्व परिवार की बजाए ईश्वरीय परिवार कहना उचित होगा।

कार्यक्रम के दौरान वार्ता सत्र का भी आयोजन किया गया। जिसमें टी वी एनकर कनुप्रिया जी ने मंच का संचालन किया और जिसका विषय था माया क्या है। राकेश मेहता(चुनाव आयुक्त) जी ने कहा कि स्वार्थ और अहंकार यह माया है। सब कुछ मेरे तरीके से ही होना चाहिए ऐसा सोचना भी अहंकार है। बी के चार्लिस (आस्ट्रेलिया बी के केन्द्र के निदेशक) ने कहा कि नकारात्मक विचारों का चलाना ही माया है, ऐसी सोच हमारे जीवन को तुच्छ बना देती है।

बी के आशा जी ने आए हुए अतिथियों का शब्दों के माध्यम से स्वागत करते हुए प्लैटिनम जुबली कार्यक्रम की जानकारी दी। संस्था के प्रधान सचिव बी के ब्रिजमोहन जी ने परमपिता परमात्मा के दिव्य कर्तव्य के बारे में बताते हुए कहा कि अभी परमात्मा का कार्य इस सृष्टि को स्वर्ग बनाने का चल रहा है और ब्रह्माकुमारीज संस्था परमात्मा का संदेशवाहक है।

राजयोगिनी मोहिनी दीदी(माउंट आबू) ने कहा कि आज हम परमात्मा को याद करने बैठते हैं तो मन टिकता नहीं है। याद करने के लिए संबंध का बडा महत्व है। जितना हमारा संबंध परमात्मा से

गहरा होगा उतना हमें उनकी याद आयेगी। मोहिनी दीदी जी ने आये हुए सभी श्रोताओं को रूहानी यात्रा का अनुभव कराया।

Caption:- 1. पंजाब एवं राजस्थान के महामहिम राज्यपाल शिवराज पाटिल जी बोलते हुए
2 राजयोगिनी दादी हृदयमोहिनी जी आर्शीवचन देते हुए
3 दीप प्रज्वलन करते हुए राज्यपाल शिवराज पाटिल जी, राजयोगिनी दादी हृदयमोहिनी जी आशा दीदी,बी के ब्रिजमोहन जी एवं अन्य
4 सभी श्रोता ध्यानपूर्वक सुनते हुए